https://universitynews.in/

Total No. of Pages : 4]

4004

A-91

[Total No. of Questions : 6

B.A. (Part - III) EXAMINATION - 2021

हिन्दी साहित्य

आधुनिक काव्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

Duration : 90 Minutes] *[Max. Marks : 100*

अवधि : 90 Minutes] *[पूर्णांक : 100*

Instructions to the candidates :

Attempt questions to the extent of 50% of maximum marks of the question paper. Any question with or without 'or' or from any unit/section/part may be chosen.

प्रश्न पत्र के किसी भी इकाई/भाग/खंड में से स्वेच्छा से इस प्रकार प्रश्नों का चयन करें कि प्रश्न पत्र के पूर्णांक में से अधिकतम 50% अंकों के प्रश्न हल हो सकें। 'अथवा' के साथ दिए प्रश्नों में भी किसी प्रकार की बाध्यता नहीं है।

दाहिनी ओर प्रश्न के अंक दिये गये हैं।

Q1) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

क) दिवस का अवसान समीप था,
गगन था कुछ लोहित हो चला।
तरू–शिखा पर थी राजती
कमलिनी–कुल–वल्लभ की प्रभा।।
विपिन बीच विहंगम वृन्द का,
कल निनाद विवर्द्धित था हुआ।
ध्वनिमयी विविध – विहगावली
उड़ रही नभ–मण्डल मध्य थी।। [10]

अथवा

P.T.O.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को प्राणों के प्रण में
हमीं भेज देती हैं रण में–
क्षात्र – धर्म के नाते।
सखि! वे मुझसे कह कर जाते।
हुआ न यह भी भाग्य अभागा,
किस पर विफल गर्व अब जागा?
जिसने अपनाया था, त्यागा;
रहे स्मरण ही आते।
सखि! वे मुझसे कहकर जाते। [10]

ख) भूल–गलती
आज बैठी है जिरहबख्तर पहनकर
तख्त पर दिल के;
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर सी,
खड़ी हैं सिर झुकाए
सब कतारें
बेजुबाँ बेबस सलाम में,
अनगिनत खंबों व मेहराबों– थमे
दरबारे आम में। [10]

अथवा

बावरे अहेरी रे
कुछ भी अवध्य नहीं तुझे, सब आखेट है:
एक बस मेरे मन–विवर में दुबकी कलौंस को
दुबकी ही छोड़ कर क्या तू चला जाएगा?
ले, मैं खोल देता हूँ कपाट सारे
मेरे इस खँडर की शिरा–शिरा छेद दे
आलोक की अनी से अपनी,
गढ़ सारा ढाह कर ढूह भर कर दे:
विफल दिनों की तू कलौंस पर माँज जा
मेरी आँखें आँज जा
कि तुझे देखूँ
देखूँ और मन में कृतज्ञता उमड़ आए
पहनूँ सिरोपे से ये कनक–तार तेरे –
बावरे अहेरी। [10]

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

ग) घाट से लौटते हुए
तीसरे पहर की अलसाई बेला में
मैंने अक्सर तुम्हें कदम्ब के नीचे
चुपचाप ध्यानमग्न खड़े पाया
मैंने कोई अज्ञात वनदेवता समझ
कितनी बार तुम्हें प्रणाम कर सिर झुकाया
पर तुम खड़े रहे अडिग, निर्लिप्त, वीतराग, निश्चल!
तुमने कभी उसे स्वीकारा ही नहीं! [10]

अथवा

देखते नहीं। चट्टानें
शताब्दियों के बाद
जब कृपानेत्र खोलती हैं
तब वासुदेव का जन्म होता है।
उस विराट असंगत के बीच
चंचल पत्री का यह जन्म
क्या किसी अवतरण की घटना से कम है?
दिशाओं पर अर्गलाएँ चढ़ाकर
समुद्रों की अंगवसनों की भाँति समेटे
इस श्यामा को
मैं नहीं जानता कि
यह समिधा है या स्वाहा
अथवा अपने लिए उपनिषद् खोजती कोई मन्त्र देवता! [10]

Q2) "अयोध्या सिंह उपाध्याय 'खड़ी बोली काव्यधारा' में विशिष्ट स्थान रखते हैं।" कथन की उपयुक्तता सिद्ध कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

'श्रद्धा-सर्ग' के आधार पर कामायनी के काव्य सौंदर्य को रेखांकित कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

Q3) "जागो फिर एक बार" तथा "बादल-राग" कविता के आधार पर निराला के काव्य-संदेश को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

'नौका विहार' कविता में व्यक्त कवि के दार्शनिक विचारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

Q4) 'लकड़ी का बना रावण' कविता कवि के आत्म संघर्ष को नाटकीयता से व्यक्त करती है। कथन की समीक्षा कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

"दिनकर ने कुरुक्षेत्र के छठे सर्ग में विश्वव्यापी युद्ध और शांति की संभावित स्थितियों का विषद् विवेचन किया है।" कथन को सोदाहरण सिद्ध कीजिए। [16]
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

Q5) द्विवेदी युगीन कवियों का परिचय देते हुए हिन्दी काव्य-धारा में उनके योगदान को रेखांकित कीजिए। [12]

नई कविता की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए। [12]

अथवा

Q6) रस किसे कहते हैं? रस के अवयवों को स्पष्ट कीजिए। [10]

रौद्र, भयानक, वीभत्स तथा अद्भुत रसों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। [10]

अथवा

oooo

https://universitynews.in

https://universitynews.in/